## अलंकार प्रथम वर्ष

तबला- पखावज

**पूर्णांक**:500, **न्यूनतम**:225

**क्रियात्मक**:300; (**मौखिक**:200+**मंच प्रदर्शन**:100)

**न्यूनतम**:155

**शास्त्र**:200, **न्यूनतम**:70(35+35)

### प्रथम प्रश्न-पत्र

**पूर्णांक:**100, **न्यूनतम**:35

1) ध्वनि का वैज्ञानिक अध्ययन| नाद का ऊंचा-नीचापन, बडा-छोटापन तथा गुणधर्म का विवेचन|
2) भरत नाट्याशास्त्र के तालाध्याय का संक्षिप्त अध्ययन तथा "**मार्ग ताल**" पद्धाति का विस्तृत अध्ययन| एककल, द्विकल, चतुष्कल, कला, मात्रा, आदि की जानकारी|
3) ताल के दश प्राणों का विस्तृत अध्ययन| वर्तमान ताल पद्धति में उनकी उपयोगिता और महत्त्वपूर्ण एवम् तर्कपूर्ण विचार|
4) तबला/पखावज वाद्यों का इतिहास तथा इन वाद्यों की वादन पद्धति के विकास के लिये विद्वान कलाकारों द्वारा किये गये कार्य की जानकारी|
5) भारतीय तथा पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों की बनावट के आधार पर तुलना|
6) तिहाई और चक्रदार का अंतर्निहित संबंध तथा तुलनात्मक ज्ञान| तिहाई तथा चक्रदार गणितीय सिद्धातों का विवेचन|
7) घन तथा अवनद्ध वाद्यों का परस्पर सम्बन्ध तथा प्रमुख घन एवम् अवनद्ध वाद्यों की साचित्र जानकारी|

---

### द्वितीय प्रश्न पत्र

**पूर्णांक:**100, **न्यूनतम**:35

1) तबला/पखावज की बंदिशो की भाषा के उदगम और विकास की जानकारी तथा इस भाषा से निर्मित साहित्य का ज्ञान|
2) "तबला/पखावज वादन" (एकल तथा संगति) के सौन्दर्यतत्वों का विश्लेषणात्मक अध्ययन|
3) तबला/पखावज वादन में प्रयुक्त होनेवाले विभिन्न वर्ण तथा उनके संयोजन से बनने वाले शब्द, शब्दसमूहों के निकास की जानकारी, पढंत और निकास में अंतर की जानकारी तथा कारण|
4) घरानेदार बंदिशों की सोदाहरण जानकारी तथा उनकी विशेषताओं का अध्ययन|
5) ध्रुपद, धमार, ख्याल, ठुमरी, टप्पा आदि गान-विधाओं तथा मसीत खानी और रजाखानी गत आदि की ऐतिहासिक जानकारी तथा इनके साथ तबला/पखावज की संगति पर विविचनात्मक अध्ययन|
6) तबला/पखावज वादन के रियाज की विभिन्न पद्धतियां तथा आपके विचार|
7) निम्नलिखित तबला/पखावज वादकों का जीवन परिच्य एवं योगदान:-

   उ.बोली बख्श, उ.जहांगीर खांन, उ.शेख दाऊद, मेहबूब खां मिरजकर, पं.कुदऊ सिंह, पं.नाना पानसे,

पं.चतुरलाल, पं.भवानीदास|